दो गेम पिछड़ी इनाया ने पलटा मैच, राजवर्धन-देबांशु भी सेमीफाइनल में

यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप : आराध्या को 3-2 से हराया; वरेण्या, कृतिका, फाल्गुन भी अंतिम चार में, अर्जुन-ग्रंथ ने जीते पांच गेम के मुकाबले

कानपुर

पंजाब की गैरवरीय इनाया ने दो गेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए दिल्ली की आराध्या कश्यप को 3-2 से हराकर यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-11 बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आराध्या ने शुरुआती दोनों गेम 12-10, 12-10 से जीते, लेकिन इनाया ने अगले तीन गेम 11-2, 11-4, 11-7 से जीतकर मुकाबला पलट दिया। बालिका वर्ग में पश्चिम बंगाल की वरेण्या सरकार, कृतिका साइबो और हरियाणा की फाल्गुन गुप्ता भी अंतिम चार में पहुंचीं। बालक वर्ग में शीर्ष वरीय महाराष्ट्र के राजवर्धन तिवारी, पश्चिम बंगाल के अर्जुन सेन, हरियाणा के ग्रंथ दुकलान और पश्चिम बंगाल के देबांशु चक्रवर्ती ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

राजवर्धन-देबांशु की आसान जीत - स्पोर्ट्ज हब में चल रही चैंपियनशिप के अंडर-11 बालक वर्ग में राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर चल रहे राजवर्धन ने तमिलनाडु के मुहम्मद रेहान को 14-12, 11-2, 11-3 से हराया। शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर के बाद राजवर्धन ने अगले दोनों गेम में मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। पश्चिम बंगाल के देबांशु ने गुजरात के रेहांश सिंहवी को 11-7, 11-8, 11-7 से शिकस्त दी।

अर्जुन-ग्रंथ पांच गेम में जीते - बालक वर्ग के अन्य दोनों क्वार्टर फाइनल पांच गेम तक चले। पश्चिम बंगाल के अर्जुन सेन ने महाराष्ट्र के नक्ष महाजन को 11-4, 8-11, 12-10, 10-12, 11-6 से हराया। नक्ष ने चौथे गेम में मुकाबला बराबर कर दिया था, लेकिन निर्णायक गेम में अर्जुन ने बेहतर नियंत्रण के साथ जीत दर्ज की।

हरियाणा के ग्रंथ दुकलान ने पश्चिम बंगाल के मायुख सरकार को 11-8, 8-11, 6-11, 11-8, 11-9 से हराया। मायुख ने तीसरा गेम जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन ग्रंथ ने चौथे गेम में वापसी कर निर्णायक गेम अपने नाम किया।

वरेण्या-कृतिका ने भी किया पलटवार - बालिका वर्ग में पश्चिम बंगाल की वरेण्या सरकार ने महाराष्ट्र की धड़कन तन्ना को 5-11, 11-7, 11-9, 10-12, 11-8 से हराया। पहला गेम गंवाने के बाद वरेण्या ने अगले दो गेम जीते, लेकिन धड़कन ने चौथे गेम में मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में वरेण्या ने संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की।

पश्चिम बंगाल की कृतिका साइबो ने भी दो गेम से पिछड़ने के बाद तेलंगाना की चेतन अधिरा को 10-12, 5-11, 11-4, 11-8, 11-8 से हराया। कृतिका ने तीसरे गेम से आक्रामक खेल अपनाया और लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। हरियाणा की फाल्गुन गुप्ता ने अपनी ही राज्य की माही कुमारी को 11-7, 11-9, 11-5 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए जेक वेदराल्ड, रेनशा को मिला मौका

मेलबर्न। बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद आस्ट्रेलिया ने दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी टीम में एक बदलाव किया है। सलामी बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि उनकी जगह बाएं हाथ के बल्लेबाज मैथ्यू रेनशा को टीम में शामिल किया गया है। आस्ट्रेलिया को डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश के हाथों नौ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इस हार के बाद टीम की बल्लेबाजी पर गंभीर सवाल उठे हैं। वेदराल्ड पहले टेस्ट में केवल 23 और शून्य रन ही बना सके थे। वेदराल्ड ने पिछले साल घरेलू एशेज सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। छह टेस्ट में उन्होंने अब तक 20.36 की औसत से 224 रन बनाए हैं, जिसमें केवल एक अर्धशतक शामिल है। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने वेदराल्ड की तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि बल्लेबाज ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान खड़े होने की स्थिति और मूवमेंट में कुछ बदलाव किए थे। हालांकि, उन्होंने माना कि इतने छोटे नमूने के आधार पर यह कहना मुश्किल है कि बदलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर के दबाव में कितना प्रभावी रहेगा। आस्ट्रेलिया के लिए रेनशा को शामिल करना एक पारंपरिक विकल्प माना जा रहा है। मैके में टेस्ट पदार्पण करने जा रहे इस मैदान पर रेनशा पहले ही दो प्रथम श्रेणी शतक लगा चुके हैं। 30 वर्षीय रेनशा ने अपना पिछला टेस्ट भारत के खिलाफ करीब तीन साल पहले खेला था। उन्होंने अब तक 14 टेस्ट की 24 पारियों में 645 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

रूट को कप्तान बनाया जाना सही : ब्रूक

लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को कप्तान बनाये जाने को एक सही कदम बताया है। बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद रुट को कप्तानी दी गयी जबकि ब्रूक भी कप्तानी के दावेदार थे। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड क्रिकेट एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और इस बदलाव के दौरान रूट को कप्तानी की जिम्मेदारी दिये जाने से टीम को लाभ होगा। इंग्लैंड टीम 19 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का सामना करने के लिए तैयार है, जिसमें रूट एक बार फिर कप्तानी की कमान संभालेंगे। ब्रूक जून में स्टोक्स के संन्यास के समय उप-कप्तान थे, उन्होंने रूट को फिर से कप्तान बनाए जाने के फैसले का स्वागत किया। ब्रूक ने कहा, रूट को कप्तान बनाने का फैसला एकदम सही है। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि वह क्या कर सकते हैं। वह निश्चित रूप से इस काम को संभालने के लिए सबसे सही व्यक्ति हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। सीमित ओवरों की टीम के कप्तान ब्रूक ने टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरों पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां टेस्ट में उनका औसत क्रमशः 84.10 और 75.44 रहा पर अक्टूबर 2025 में एक नाइटक्लब में हुए झगड़े के बाद उनका करियर कठिन दौर में फंस गया। इस घटना पर ब्रूक ने कहा, यह एक कठिन दौर था, खासकर जब मैं घर पर था और मीडिया का सामना करने की तैयारी कर रहा था।

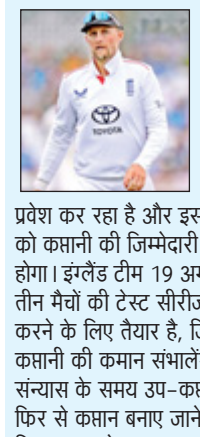

सिनसिनाटी ओपनः ज्वेरेव ने अटमाने को हराकर चौथे दौर में बनाई जगह

सिनसिनाटी। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने कड़े मुकाबले में फ्रांस के टैरेन्स अटमाने को 7-6(4), 7-6(8) से हराया। दूसरे सेट के टाईब्रेक में ज्वेरेव के पास 6-4 के स्कोर पर दो मैच प्वाइंट थे। अटमाने ने पहले मैच प्वाइंट पर शानदार ऐस लगाकर बचाव किया, जबकि दूसरे पर ज्वेरेव ने डबल फाल्ट कर दिया और स्कोर 6-6 हो गया। हालांकि, 29 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने इसके बाद लगातार दो अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। उन्होंने दो घंटे नौ मिनट में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। 19 वर्षीय जोदार का शानदार अभियान जारी इस बीच 19 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी राफेल जोदार ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अलेजांद्रो टेबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर राउंड आफ 16 में प्रवेश किया। जोदार ने महज 75 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। वह इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड आफ 16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन के बाद तीसरे किशोर खिलाड़ी बन गए हैं। अब जोदार का सामना विश्व नंबर-10 फ्लावियो कोबोली से होगा। कोबोली ने कड़े मुकाबले में अलेक्जेंडर ब्लाक्स को 7-5, 4-6, 7-5 से हराया। निर्णायक सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद इटली के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार चार गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। फिल्स ने नौवीं वरीयता प्राप्त लेहेका को चौंकाया अन्य मुकाबले में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने नौवीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को 6-1, 6-7(7), 6-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। दूसरे सेट के टाईब्रेक में फिल्स के पास 7-6 पर मैच प्वाइंट था, लेकिन लेहेका ने उसे बचाकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

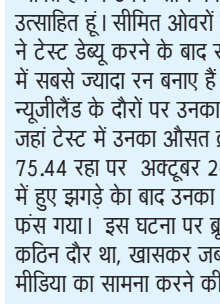

इंग्लैंड ने बिगाड़ा भारत का खेल, पाकिस्तान के खिलाफ हारते ही क्यों खत्म हो जाएगा सफर

एम्स्टेलवीन

भारतीय हाकी टीम को वर्ल्ड कप 2026 के पूल डी मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारत के दो मैचों में तीन अंक हैं और अब पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला बेहद अहम हो गया है। भारत को अगले दौर में पहुंचने के लिए पाकिस्तान से हार से बचना होगा।

हाकी विश्वकप 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली 2-4 की हार ने भारतीय टीम के लिए अगले दौर की राह मुश्किल कर दी है। एक समय 2-1 से आगे चल रही हरमनप्रीत सिंह की टीम दूसरे हाफ में तीन गोल गंवा बैठी। अब भारत के सामने पाकिस्तान की चुनौती है, जहां एक हार उसके वर्ल्ड कप अभियान पर ही विराम लगा सकती है।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रदर्शन - भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत अच्छी नहीं की और निकोलस बैंडुराक ने 14वें मिनट में गोल कर इंग्लैंड को बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए पहले हाफ के अंत तक 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 17वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला, जबकि दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ टाइम तक भारत मजबूत स्थिति में नजर आ रहा था। लेकिन तीसरे क्वार्टर में मुकाबले का पूरा रुख बदल गया। भारत के डिफेंस में हुई गलतियों का इंग्लैंड ने फायदा उठाया। स्टुअर्ट रशमियर ने 39वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 किया और इसके चार मिनट बाद हेनरी क्राफ्ट ने इंग्लैंड को 3-2 की बढ़त दिला दी। आखिरी क्वार्टर में बैंडुराक ने अपना दूसरा गोल कर इंग्लैंड की जीत पक्की कर दी।

दो मैचों में तीन अंक, अब पाकिस्तान से होगा सामना - भारत ने टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत वेल्स को 3-1 से हराकर की थी। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ हार ने उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पूल डी में इंग्लैंड छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि भारत तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान और वेल्स के खाते में दो-दो मैचों के बाद एक-एक अंक है। वर्ल्ड कप के नियमों के मुताबिक, हर पूल की शीर्ष दो टीमें दूसरे दौर में पहुंचेंगी, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें नौवें से 16वें स्थान के वर्गीकरण मुकाबले खेलेंगी।

आईपीएल में खिलाड़ियों को ट्रेड किये जाने की रकम का खुलासा करें फ्रैंचाइजी : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि आईपीएल में ट्रेड के जरिये खिलाड़ियों के एक टीम से दूसरे में जाने की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिये। गावस्कर के अनुसार ऐसा करने से अन्य आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भी यह पक्का करने में मदद मिलेगी कि सभी टीमें लीग निर्धारित सैलरी कैप का सही ढंग से पालन कर रही हैं या नहीं। गावस्कर ने कहा वर्तमान में, किसी खिलाड़ी के ट्रेड करार पर उसकी डील की रकम की जानकारी केवल दोनो ही फ्रेंचाइजियों, खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को ही रहती है। अन्य टीमों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं होती। उन्होंने कहा कि इसी कारण दूसरी टीमों को यह पता नहीं चलता कि किसी भी फ्रेंचाइजी ने अपने लिए तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं । गावस्कर ने कहा कि ट्रेड डील केवल दो पार्टियों का मामला नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी लीग पर पड़ता है। ऐसे में विश्व की सबसे बड़ी टी20 लीग होने के कारण आईपीएल को अपनी कार्यप्रणाली में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता बनाए रखना चाहिये। । पूर्व कप्तान का मानना है कि ट्रेड से जुड़ी हर जानकारी को सार्वजनिक करने से लीग की विश्वसनीयता बढ़ेगी और किसी भी तरह के सवाल या संदेह नहीं रहेंगे। उनका मानना है कि यदि सैलरी कैप का सही से पालन हो रहा है, तो इस जानकारी को छिपाने का कोई मतलब नहीं है। गौरतलब है कि हाल के समय में आईपीएल ने कई बड़े खिलाड़ियों के ट्रेड्स देखे हैं, जो इस मामले की प्रासंगिकता को और बढ़ाते हैं। 2026 सीजन से पहले संजू सैमसन का राजस्थान रायल्स से चेन्नई सुपर किंग्स में ट्रेड हुआ था, जिसकी मौजूदा लीग फीस 18 करोड़ रुपए बताई गई। इसी तरह, 2026 सीजन समाप्त होने के बाद, ऋषभ पंत और कुलदीप यादव जैसे प्रमुख खिलाड़ियों का भी ट्रेड हुआ। पंत लखनऊ सुपर जायंट्स से दिल्ली कैपिटल्स में लौटे और उनकी नई फीस 15 करोड़ रुपए निर्धारित की गई, जबकि कुलदीप यादव दिल्ली से लखनऊ गए और उनकी फीस 13.50 करोड़ रुपए है। ये सभी ट्रेड्स बड़े नामों से जुड़े थे और इनकी वित्तीय जानकारी सार्वजनिक होने पर लीग की निष्पक्षता पर कोई सवाल नहीं उठते।

बार्सिलोना के स्टार फुटबालर फेरान अब पीएसजी से खेलते दिखेंगे

मैड्रिड

विश्वप कप में स्पेन की टीम को जीत दिलाने वाले बार्सिलोना के स्टार फुटबालर फेरान टोरेस अब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से जुड़ सकते हैं। बार्सिलोना अपने फारवर्ड टोरेस को करीब 50 मिलियन यूरो में फ्रांसीसी क्लब को बेचने के लिए तैयार है। इस मामले में दोनों क्लबों के बीच बातचीत पूरी हो गयी और अब केवल जरूरी औपचारिकताएं ही बची हैं।

बताया जा रहा है कि फेरान का पीएसजी के साथ पांच साल का करार है। इस स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए अभी मेडिकल जांच और कुछ कागजी कार्रवाई होनी बाकी है।

गौरतलब है कि टोरेस को जनवरी 2021 में मैनचेस्टर सिटी ने 55 मिलियन यूरो से अधिक की रकम लेकर बार्सिलोना को बेचा था। उसके बाद से ही वह स्पेनिश क्लब के साथ बने हुए हैं। हालांकि, क्लब में उनका सफर हमेशा एक प्रमुख शुरुआती खिलाड़ी के तौर पर नहीं रहा। हांसी फ्लिक के 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद, टोरेस को मुख्य रूप से राबर्ट लेवांडोव्स्की के विकल्प के तौर पर सेंटर फारवर्ड की भूमिका में उपयोग किया गया। इसके बावजूद, उन्होंने सीमित अवसरों का पूरा लाभ उठाया भुनाया है और कई मुकाबलों में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतरकर टीम के लिए निर्णायक साबित हुए। पिछले दो सत्रों में,

उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 94 मैचों में 40 गोल किए हैं। उनकी गति, गेंद पर नियंत्रण और आक्रमण में कई स्थानों पर खेलने की क्षमता ने उन्हें बार्सिलोना के लिए एक उपयोगी खिलाड़ी बनाए रखा।

टोरेस ने हाल ही में स्पेन की विश्व कप जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। पिछले महीने स्पेन और अर्जेंटीना के बीच हुए विश्व कप फाइनल में उन्होंने अतिरिक्त समय में स्पेन के लिए निर्णायक गोल दागा था, जिससे स्पेन ने दूसरी बार विश्व कप खिताब जीता। राष्ट्रीय टीम के लिए इतनी बड़ी भूमिका निभाने के कुछ ही समय बाद उनका क्लब बदलना फुटबाल जगत में खासा चर्चा का विषय बन गया है। टोरेस ने अपने फुटबाल करियर की शुरुआत वालेंसिया की युवा व्यवस्था से की थी, जिसके बाद वह मैनचेस्टर सिटी और फिर बार्सिलोना का हिस्सा बने। अब पेरिस सेंट-जर्मेन में उनका जाना उनके करियर को एक नई महत्वपूर्ण दिशा दे सकता है। बार्सिलोना के लिए यह फैसला आक्रमण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। राबर्ट लेवांडोव्स्की और मार्कस रैशफोर्ड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के क्लब से अलग होने के बाद टीम को आगे के मोर्चे पर नए विकल्पों की सख्त जरूरत है, और टोरेस के जाने से यह जरूरत और भी बढ़ जाएगी। मुख्य कोच हांसी फ्लिक को अब आक्रमण में अधिक विकल्प जुटाने पर विशेष ध्यान देना होगा।

यशस्वी के बदले पंड्या को शामिल कर सकती है रायल्स

मुम्बई। बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रायल्स की जगह पर किसी और टीम से खेलते दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि रायल्स यशस्वी को आईपीएल 2027 से पहले रिलीज कर सकता है। ये भी अटकलें हैं कि वह मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेड कर आलराउंडर हार्दिक पंड्या को शामिल कर सकता है। ऐसे में यशस्वी मुम्बई के पास चले जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसर राजस्थान प्रबंधन और यशस्वी के बीच मतभेद है। इसका सबसे बड़ा कारण रियान पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना है। हालांकि, इस पूरे मामले पर रायल्स और यशस्वी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 में यशस्वी ने 16 मैचों में 427 रन बनाए थे, जिसमें उनका औसत 30.50 और स्ट्राइक रेट 152.50 रहा। इस सत्र में वे केवल तीन अर्धशतक ही लगा सके। दूसरी ओर उनके सलामी जोड़ीदार वैभव सूर्यवंशी ने 16 मैचों में 237.30 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। जिससे यशस्वी के प्रदर्शन पर किसी का ध्यान नहीं गया। का प्रदर्शन थोड़ा फीका पड़ गया। वहीं रायल्स को इस समय एक तेज गेंदबाजी आलराउंडर की सख्त जरूरत है। पिछले साल भी उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ एक बड़े ट्रेड में संजू सैमसन के बदले सैम करन और रवींद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया था।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स में नजर आयेंगे वार्नर, युवराज और डीविलियर्स सहित कई स्टार बल्लेबाज

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज एबी डी विलियर्स और वेस्टइंडीज के आलराउंडर ड्वेन ब्रावो सहित कई दिग्गज क्रिकेटर 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) के तीसरे सत्र में खेलते नजर आयेंगे। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर इन बल्लेबाजों का आक्रामक खेल देखने को मिलेगा। चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग से कई पूर्व क्रिकेटरों को एक मंच मिलता है। इस बार बांग्लादेश के महमुदुल्लाह रियाद जैसे खिलाड़ी भी इस लीग में शामिल हो रहे हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स का यह तीसरा सत्र है। वहीं लीग के पहले सत्र में इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता था। वहीं, दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर ट्राफी जीती थी। इस बार टूर्नामेंट में बांग्लादेश चैंपियंस को भी शामिल किया गया है, जिससे टूर्नामेंट में नई टीमों और खिलाड़ियों का प्रवेश होगा होगा और प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ने की उम्मीद है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स की ओर से कहा गया है कि दो सफल सत्र के बाद, लीग का तीसरा सत्र अधिक रोमांचक रहने की उम्मीद है। ये सत्र प्रशंसकों को एक अभूतपूर्व अनुभव देने का वादा करता है, जहां क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर अपने पुराने और आकर्षक अंदाज में नजर आएंगे। लीग का लक्ष्य रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को एक मंच देना है, जिससे वे खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख सकें और प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। लीग के सीईओ हर्षित तोमर ने आगामी सीजन को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, सीजन 3 बहुत खास होने वाला है। इस सत्र का आयोजन इंग्लैंड से बाहर होगा। इस सत्र में क्रिकेट के सबसे बड़े नाम और ऐसे स्टार्स को लेकर आएंगे जिनके बारे में प्रशंसक सोच सकते हैं।

विश्व कप हिस्सेदारी बेचने की योजना की आलोचना के बाद फीफा ने सीओओ लामूर को हटाया

नई दिल्ली

विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने अपने मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) केविन लामूर से नाता तोड़ लिया है। यह घटनाक्रम फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो की विश्व कप में हिस्सेदारी निवेशकों को बेचने की योजना की लामूर द्वारा आलोचना किए जाने के बाद सामने आया है। फीफा के कर्मचारियों को संगठन के महासचिव मटियास ग्राफस्ट्रोम की ओर से ईमेल के जरिए इस फैसले की जानकारी दी गई।

ईमेल में कहा गया कि फीफा और लामूर ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बीबीसी स्पोर्ट्स के अनुसार, फीफा के प्रवक्ता ने कहा, मुख्य संचालन अधिकारी के रूप में फीफा और केविन लामूर के बीच कार्य संबंध 17 अगस्त 2026 को समाप्त हो गया। फीफा उनकी दो साल की सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।

लामूर का जाना ऐसे समय हुआ है जब उन्होंने इन्फेंटिनो की विश्व कप की हिस्सेदारी निवेशकों को बेचने की योजना पर खुलकर सवाल उठाए थे। योजना को बाद में यूईएफए, एएफसी और कानकाकाफ समेत कई प्रमुख फुटबाल संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद इन्फेंटिनो ने छोड़ दिया था।

लामूर ने इस योजना को एक व्यक्ति की परियोजना' करार दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि इस योजना को लेकर फीफा प्रशासन को गुमराह' किया गया।

उन्होंने कहा था, हमारा मिशन—फीफा के सैकड़ों समर्पित और जुनूनी कर्मचारियों का मिशन—फुटबाल की सेवा करना है। एक अध्यक्ष को लोगों को साथ लाना, एकजुट करना और प्रेरित करना चाहिए। हम इसके विपरीत स्थिति का अनुभव कर रहे हैं।

लामूर ने अपनी नौकरी जाने की संभावित आशंका पर भी स्पष्ट रुख अपनाया था। उन्होंने कहा था, अगर इसका मतलब है कि मैं अपनी नौकरी खो दूंगा, तो ऐसा ही सही। मैं उस फैसले को समझूंगा और उसका सम्मान करूंगा। कम से कम उस रात मैं चैन से सो पाऊंगा।

यूईएफए, एएफसी और कानकाकाफ ने जताया था विरोध

विश्व कप हिस्सेदारी बेचने की योजना को लेकर यूईएफए, कानकाकाफ और एएफसी ने भी फीफा पर गंभीर आरोप लगाए थे। तीनों संगठनों ने संयुक्त बयान में इसे विश्वास का बुनियादी उल्लंघन' और धोखे' का मामला बताया था।

संयुक्त बयान में कहा गया था कि मामला केवल किसी योजना का नहीं, बल्कि खेल की गरिमा और उसे चलाने के लिए चुने गए लोगों की ईमानदारी' से जुड़ा है। संगठनों ने यह भी कहा था कि फुटबाल में नेतृत्व किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है, बल्कि यह पूरे फुटबाल परिवार की सेवा करने की जिम्मेदारी है। उनके अनुसार, जब धोखे के जरिए भरोसा तोड़ा जाता है और कोई व्यक्ति उस सामूहिक संस्था से ऊपर खुद को रखता है जिसने उसे अधिकार सौंपा है, तो नेतृत्व की जिम्मेदारी का त्याग हो जाता है।